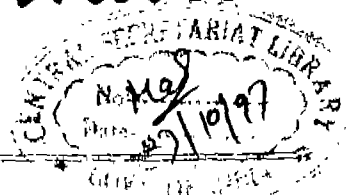




भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 35] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 30, 1997/भाद्रपद 8, 1919
No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 30, 1997/BHADRA 8, 1919

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केंद्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अंतर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण सार्वजनिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rule (Including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Governments of India (other than the Ministry of Defence) and by the General Authorities (other than the Administration of Union Territories)

विधि एवं न्याय मंत्रालय
(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE
(Department of Justice)

New Delhi, the 1st August, 1997

सा.का.नि. 317.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

G.S.R. 317.—In pursuance of clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

कि गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री मुनियलप्पा रामकृष्ण, जिन्हें जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया है, गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अवधि के दौरान अपने वेतन के प्रतिरिक्त 2000/- रु. (केवल दो हजार रु.) प्रतिमाह अथवा अपने वेतन का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

That Shri Justice Muniyallappa Ramakrishna, Chief Justice of the Gauhati High Court, who has been transferred from the Jammu & Kashmir High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensem, or 10% of salary, whichever is more, for the period of his service as Chief Justice of the Gauhati High Court.

[सं. के.-11017/10/96-यू.एस.-II(i)]

श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

[No. K-11017/10/96-US-II(i)]

Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 318.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति, एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

कि न्यायमूर्ति भवानी सिंह, जिन्हें जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है, जम्मू एवं कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अवधि के दौरान अपने वेतन के अतिरिक्त 2000/- रु. (केवल दो हजार रु.) प्रतिमाह अथवा वेतन का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूरक भत्ता करने प्राप्त हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/10/96-यू.एस.-II(ii)]
श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 318.—In pursuance of clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Bhawani Singh, who has been appointed as Chief Justice of the High Court of Jammu and Kashmir, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensem, or 10% of salary, whichever is more, for the period of his service as Chief Justice of the High Court of Jammu and Kashmir.

[No. K. 11017/10/96-US-II(ii)]
Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice).

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 319.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

कि मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री मन मोहन सिंह लिबेरहान, जिन्हें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से स्थानांतरित किया गया है, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अवधि के दौरान अपने वेतन के अतिरिक्त 2000/- रु. (केवल दो हजार रु.) प्रतिमास अथवा अपने वेतन का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/10/96-यू.एस.-II(iii)]
श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 319.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Man Mohan Singh Liberhan, Chief Justice of the Madras High Court, who has been trans-

ferred from the Punjab and Haryana High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensem, or 10% of salary, whichever is more, for the period of his service as Chief Justice of the Madras High Court.

[No. K. 11017/10/96-US-II(iii)]
Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 320.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

कि दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अजय प्रकाश मिश्र, जिन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय से स्थानांतरित किया गया है, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अवधि के दौरान अपने वेतन के अतिरिक्त 2000/- रु. (केवल दो हजार रु.) अथवा वेतन का 10 प्रतिशत जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/10/96-यू.एस.-II(ii)]
श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 320.—In pursuance of clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Ajay Prakash Misra, Chief Justice of the Delhi High Court, who has been transferred from the Allahabad High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensem, or 10% of salary, whichever is more, for the period of his service as Chief Justice of the Delhi High Court.

[No. K. 11017/10/96-US-II(iv)]
Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1997

सा.का.नि. 321.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

कि मद्रास उच्च न्यायालय के अपर न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीरमण लाल राजमल जैन, जिन्हें गुजरात उच्च न्यायालय से स्थानांतरित किया गया है, मद्रास उच्च न्यायालय के अपर न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अवधि के दौरान अपने वेतन के अतिरिक्त 2000/-

(केवल दो हजार रु.) प्रतिमाह अथवा वेतन का 10 प्रतिशत जो भी अधिक हो, की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/10/96-यू.एस.-II(V)]

श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1997

G.S.R. 321.—In pursuance of clause of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely :—

That Shri Justice Ramanlal Rajmal Jain, Additional Judge of the Madras High Court, who has been transferred from the Gujarat High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 2000 (Rupees two thousand) per mensam, or 10½ of salary, whichever is more for the period of his service as an Additional Judge of the Madras High Court.

[No. K. 11017/10/96-US-II(v)]

Smt. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

वित्त मंत्रालय

(कंपनी कार्य मंत्रालय)

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1997

सा का नि 322.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का/की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग की अधिसूचना सं. का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश देती है कि मैसर्स सिमोको इन्टरनेशनल लि. 704 7वां तल टाल-स्टाय हाउस, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली 110001 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त उपवादों और उपान्तरों के अधीन सहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी 26 सितम्बर 1996 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर 96 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालना हुआ समझा जाएगा —

- (1) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे —

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चाटई एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण 26 सितम्बर, 1996 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदायों की बात सही और उचित है,

(2) भारत में कंपनी की प्राप्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए, प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चाटई एकाउन्टेंट द्वारा;

यह प्रमाणित करते हुए कि उक्त विवरण, जैसा कि वह समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(2) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्: हस्ताक्षरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 26 सितम्बर, 1996 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में कोई व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक कार्याकलाप नहीं किया है।

[संख्या 50 16 97-सी एन-333]

आर. एन. वासवानो, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 29th July, 1991

G.S.R. 322.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) or Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. SRO 3216, dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Simoco International Ltd. 704, 7th Floor, Tolstoy House, Tolstoy Marg, New Delhi-110001 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause

(a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 if, in respect of the period commencing from the 26th day of September, 1996 and ending on the 31st day of December, 1996, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) a statement of receipts and payments made by the India Branch of such Company, certified by :—
 - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act and
 - (b) a Chartered Accountant practising in India : certifying that the said statement gives a true fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 26th day of September, 1996 and ending on the 31st day of December, 1996.
- (ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by :—
 - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and
 - (b) a Chartered Accountant practising in India; certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 26th day of September 1996 and ending on the 31st day of December, 1996;
- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 26th day of September, 1996 and ending on the 31st day of December, 1996.

[No. 50/16/97-CL-III]

R. N. VASWANI, Under Secy.

नई दिल्ली 29 जुलाई, 1997

सांकांनि० 323.—केन्द्रीय सरकार कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० कां०नि० आ० 3216, तारीख 4 अप्रैल, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश

देती है कि सैन्य प्लासी ए० के० टिज शीट 207-208 शाहपुरी टावर सी-58 कम्युनिटी सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली 110058 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षा जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती है, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन रहने हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी 1 जुलाई, 1995 से प्रारंभ और 29 फरवरी, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि को बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित को तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पक्षार्थ अनुपालन हुआ समझा जाएगा—

(1) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेड द्वारा;

यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण 1 जुलाई 1995 से प्रारंभ और 29 फरवरी, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है,

(2) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए, प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेड द्वारा;

यह प्रमाणित करते हुए कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 जुलाई, 1995 से प्रारंभ और 29 फरवरी, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यालय की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(3) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक् हस्तांतरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 1 जुलाई, 1995 से प्रारंभ और 29 फरवरी, 1996 को

समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में कोई व्यापारिक वाणिज्यिक का आर्थोर्गनिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं० 50/8/97-सी०एल०-3]

आर० एन० वासवानी, अवर मन्त्रि

New Delhi, the 29th July, 1997

G.S.R. 323.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Plansee Aktiengesellschaft 207-208, Shahpuri Tower, C-58, Community, Centre, Jarakpur, New Delhi-58. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st day of July, 1995 and ending on the 29th day of February, 1996, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) a statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such company, certified by,—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India ;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st day of July, 1995 and ending on the 29th day of February 1996.

(ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of

the company in India as at the end of the period commencing from the 1st day of July, 1995 and ending on the 29th day of February, 1996.

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st day of July, 1996 and ending on the 29th day of February, 1996.

[No. 50/8/91-CL-III]

R. N. VASWANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1997

सा०का०नि० 324.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश देती है कि मैसर्स एशिया नेट वर्क पब्लिकेशन कंपनी लि० 132-मेकेंड फ्लोर, गाल्फ लिक्म, नई दिल्ली-110003 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन सहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी 15 नवम्बर, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि की श्रावत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा :—

(i) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की 592 की उपधारा (1) के खंड (ब) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा;

यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण 15 नवम्बर, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त

होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी को प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है,

(ii) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे :—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए, प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा;

यह प्रमाणित करते हुए, कि उक्त विवरण, जैसा कि यह 15 नवम्बर 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कायकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(iii) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्तांतरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 15 नवम्बर, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में कोई व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/20/97-सी एल -3]
आर. एन. वासवानी, अवसर सचिव

New Delhi, the 29th July, 1997

G.S.R. 324.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration). No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Asia Network Publication Company Ltd., 132, 2nd floor, Golf Links, New Delhi-110 003 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 15th day of November, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996, the company in respect of its Indian Business

Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) a statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such company, certified by,—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 15th day of November, 1995 and ending on the 31 March, 1996.

(ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 15th day of November, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996;

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 15th day of November, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996.

[No. 50/20/97-CL-III]

R. N. VASWANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1997

सा. का. नि. 325.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश देती है कि मैसर्स फूजित्सु लिमिटेड, मकॅन्टाइल टॉवर प्रथम तल, 15 कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में,

New Delhi, the 29th July, 1997

जो कि एक विदेशी कंपनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसे कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन सहते हुए लागू होगी, अर्थातः—

यदि कंपनी 1 अप्रैल, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा—

(1) ऐसी कंपनी को भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड

(घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा;

यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण 1 अप्रैल, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है।

(2) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए, प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा, यह प्रमाणित करते हुए कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 अप्रैल, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(2) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्तांतरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 1 अप्रैल, 1995 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में कोई व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/41/96-सी एल -3]

आर. एन. वासुदानी, श्वर सचिव

G.S.R. 325.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216, dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Fujitsu Limited Mercantile House, 1st Floor, 15, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the said notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st day of April, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) a statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such company, certified by.—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India :

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st day of April, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996.

(ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act ; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st day of April, 1995 and ending on the 31st day of March, 1996;

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India

during the period commencing from the 1st day of April, 1995 and ending on the 31st day of March 1996.

[No. 50/41/96-CL-III]

R. N. VASWANI, Under Secy.